पाल साम्राज्य एक महत्वपूर्ण मध्ययुगीन भारतीय राजवंश था जिसने 8वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ हिस्सों, मुख्य रूप से पूर्वी क्षेत्रों पर शासन किया था। यूपीएससी परीक्षा के लिए पाल साम्राज्य पर नोट्स तैयार करने के लिए, निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर विचार करें:

1. उत्पत्ति एवं स्थापना**:**

- पाल राजवंश की स्थापना 8वीं शताब्दी ई. में गोपाल द्वारा की गई थी, जिसकी राजधानी गौड़ (वर्तमान पश्चिम बंगाल, भारत में) थी।
- गोपाल प्रारंभ में बंगाल के पूर्व शासकों के अधीन एक क्षेत्रीय सरदार थे।

2. विस्तार एवं क्षेत्र**:**

- पालों ने धीरे-धीरे अपने प्रभुत्व का विस्तार किया और एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की जिसमें वर्तमान भारत, बांग्लादेश और नेपाल के कुछ हिस्से शामिल थे।
- उनका साम्राज्य रणनीतिक रूप से भारत को दक्षिण पूर्व एशिया और तिब्बत से जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्गों पर स्थित था।

3. प्रशासन और शासन**:**

- पालों के पास सामंती प्रभुओं के माध्यम से स्थानीय शासन के साथ एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक व्यवस्था थी।
- उन्होंने भूमि अनुदान की प्रणाली को बढ़ावा दिया और शिक्षा, कला और संस्कृति को संरक्षण दिया।

4. धर्म और बौद्ध धर्म**:**

- पाल शासक बौद्ध धर्म, विशेषकर वज्रयान संप्रदाय के प्रबल संरक्षक थे।
- आतिशा और नरोपा जैसे बौद्ध विद्वान पाल संरक्षण में फले-फूले।
- नालंदा विश्वविद्यालय, बौद्ध शिक्षा के सबसे प्रसिद्ध केंद्रों में से एक, पाल काल के दौरान फला-फूला।

5. कला और वास्तुकला**:**

- पाल काल अपनी विशिष्ट कला और वास्तुकला शैली के लिए जाना जाता है।
- पाल मूर्तियों और मंदिरों में जटिल नक्काशी होती है, विशेष रूप से टेराकोटा पट्टिकाओं और देवताओं की छवियों के रूप में।

- सोमपुरा महाविहार, वर्तमान बांग्लादेश में एक पाल-युग बौद्ध मठ, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है जो अपनी वास्तुकला की भव्यता के लिए जाना जाता है।

6. पतन और आक्रमण:

- पाल साम्राज्य का पतन 11वीं सदी के अंत में बाहरी आक्रमणों के कारण शुरू हुआ, जिनमें चोल और गजनवी के आक्रमण भी शामिल थे।
- 1193 ई. में नालंदा विश्वविद्यालय का पतन पाल वंश के प्रतीकात्मक अंत का प्रतीक था।

7. विरासत:

- पाल साम्राज्य ने पूर्वी भारत में बौद्ध धर्म के प्रसार और बौद्धिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उनकी विरासत में कला, साहित्य और धार्मिक विचारों में योगदान शामिल है।
- पाल प्रभाव दक्षिण पूर्व एशिया के पड़ोसी क्षेत्रों तक फैल गया, जहाँ उनके सांस्कृतिक और धार्मिक विचारों ने स्थायी प्रभाव छोड़ा।

LEARNING MANTRAS